Workshop Report on IPRs and Patent Design Filing

Organized by: Department of Business Administration, Khwaja Moinuddin Chishti Language University, Lucknow

In association with: Awadh Incubation Foundation

Date: 18th April 2026

Venue: Atal Hall, KMCLU, Lucknow

SDG: This workshop is aligned with ***Sustainable Development Goal 9 (Industry, Innovation, and Infrastructure),*** as it promotes innovation, skill development, and knowledge sharing among participants. It contributes to building resilient infrastructure and fostering a culture of research, technology, and sustainable industrial growth.

Introduction:

A workshop on 'IPRs and Patent Design Filing' was successfully organized by the Department of Business Administration at Khwaja Moinuddin Chishti Language University, Lucknow, in association with Awadh Incubation Foundation. The objective of the workshop was to create awareness among students and faculty about Intellectual Property Rights (IPRs) and the process of patent design filing.

Resource Person:

The session was delivered by Mr. Zafar Ahmad from Silver Lining IP, who shared his expertise and practical insights on intellectual property protection and patent filing procedures.

Proceedings of the Workshop:

The workshop commenced with a formal welcome of the guest and participants. The Hon'ble Vice-Chancellor, Prof. Ajay Taneja, extended his support and encouragement for such academic initiatives. The convener, Prof. Syed Haider Ali, emphasized the importance of innovation and legal protection of ideas. The session was coordinated by Dr. Hinadi Akbar.

Mr. Zafar Ahmad elaborated on the concept of Intellectual Property Rights, types of IPRs, and the significance of patents in safeguarding innovations. He provided a step-by-step explanation of patent design filing, including documentation, application procedures, and legal considerations. Real-life examples and case studies were discussed to enhance understanding.

Participation:

The workshop witnessed active participation from students, research scholars, and faculty members. Participants engaged in interactive discussions and clarified their queries regarding patent filing processes.

Outcome:

The workshop provided valuable insights into intellectual property rights and enhanced awareness about the importance of protecting innovative ideas. Participants gained practical knowledge about patent filing, which will be beneficial for their academic and professional growth.

Conclusion:

The workshop concluded with a vote of thanks, expressing gratitude to the speaker, organizers, and participants for making the event successful. E-certificates were provided to all participants.

Event Photographs

Workshop Glimpse

Workshop Glimpse

Workshop brochure

Workshop address by the convenor Prof. Syed Haider Ali

Press release

आईपीआर एवं पेटेंट डिज़ाइन फाइलिंग विषयक कार्यशाला का सफल आयोजन

लखनऊ। व्यवसाय प्रशासन विभाग द्वारा अवध इन्क्यूबेशन फाउंडेशन के सहयोग से ख्वाजा मोइनुद्दीन विशती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ के अटल हॉल में IPRs एवं पेटेंट डिज़ाइन फाइलिंग" विषय पर एक

दिवसीय कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों को बौद्धिक संपदा अधिकार (IPRs) के महत्व तथा पेटेंट फाइलिंग की प्रक्रिया के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं शिक्षकों की उत्साहपूर्ण सहभागिता देखने को मिली। कार्यक्रम के संयोजक प्रो. सैयद हैदर अली, संकायाध्यक्ष, वाणिज्य संकाय ने अपने संबोधन में वर्तमान ज्ञान–आधारित अर्थव्यवस्था में बौद्धिक संपदा संरक्षण की आवश्यकता एवं प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षकों दोआ नकवी, डॉ. ज़ैबुन निसा, डॉ. मनीष कुमार, डॉ. सुषमा मौर्य, डॉ. अनानिका सिंह, डॉ. माधुरी चौहान एवं श्री सय्यद तौसीफ अहमद की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का सफल संचालन एवं समन्वयन डॉ. हिनादी अकबर द्वारा किया गया, जिनके कुशल प्रयासों से कार्यशाला सुव्यवस्थित एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुई। कार्यशाला के मुख्य वक्ता श्री ज़फर अहमद, संस्थापक, सिल्वर लाइनिंग आईपी रहे। उन्होंने अपने व्याख्यान में पेटेंट, कॉपीराइट एवं ट्रेडमार्क जैसे विभिन्न बौद्धिक संपदा अधिकारों की विस्तृत जानकारी प्रदान की। साथ ही, उन्होंने पेटेंट फाइलिंग की चरणबद्ध प्रक्रिया को सरल एवं व्यावहारिक रूप में समझाया तथा नवाचारकर्ताओं द्वारा सामना की जाने वाली सामान्य चुनौतियों पर भी विस्तार से चर्चा की। उनके व्यावहारिक उदाहरणों एवं अनुभवों ने प्रतिभागियों की समझ को और अधिक सुदृढ़ किया। कार्यक्रम के अंत में प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने अपने जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। सभी प्रतिभागियों को ई–प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। यह कार्यशाला अत्यंत ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायी एवं उपयोगी सिद्ध हुई, जिसने प्रतिभागियों को अपने नवाचारों की सुरक्षा तथा अनुसंधान एवं उद्यमिता के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

यक

...ों के जरिए
...' पर लगातार
...आरित निगरानी
...स्था के चलते
... निष्पक्षता का
...य अपनाई गई
...ी परीक्षाओं के
...ा में देखी जा
...तीनगर स्थित
...लेज में प्रथम
...ों एसी वायरिंग
...ली। हालांकि
...हुए तुरंत आग
... अधिकारी व
...गी में परीक्षा
...स्था के तहत
...कुशल सम्पन्न

ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में IPR एवं पेटेंट डिज़ाइन फाइलिंग पर कार्यशाला आयोजित

तिजारत संवाददाता

लखनऊ। ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रशासन विभाग द्वारा, अवध इन्क्यूबेशन फाउंडेशन के सहयोग से, 18 अप्रैल 2026 को अटल हॉल में IPRs और पेटेंट डिज़ाइन फाइलिंग विषय पर एक कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य छात्रों एवं शिक्षकों के बीच बौद्धिक संपदा अधिकार के महत्व तथा वर्तमान ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था में पेटेंट फाइलिंग की प्रक्रिया के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम में छात्रों, शोधार्थियों और शिक्षकों ने सक्रिय भागीदारी की।कार्यक्रम का संचालन वाणिज्य संकाय के डीन प्रो. सैयद हैदर अली द्वारा किया गया, जिन्होंने शैक्षणिक एवं औद्योगिक शोध

में बौद्धिक संपदा संरक्षण के बढ़ते महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर डॉ. दोआ नक्वी, डॉ. ज़ैबुन निसा, डॉ. मनीष कुमार, डॉ. सुषमा मौर्य, डॉ. अनामिका सिंह और डॉ. माधुरी चौहान सहित कई प्रतिष्ठित संकाय सदस्य उपस्थित रहे, जिनकी उपस्थिति ने कार्यक्रम को और अधिक गरिमामय बनाया।

कार्यशाला का समन्वयन डॉ. हिनादी अकबर द्वारा किया गया, जिन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता श्री जफर अहमद, संस्थापक, सिल्वर लाइनिंग IP ने IPR के विभिन्न पहलुओं–जैसे पेटेंट, कॉपीराइट और ट्रेडमार्क–पर विस्तृत और रोचक व्याख्यान दिया। उन्होंने पेटेंट फाइलिंग की चरणबद्ध प्रक्रिया को सरल ढंग से समझाया तथा नवाचारकर्ताओं के सामने आने वाली सामान्य चुनौतियों पर भी प्रकाश डाला। उनके व्यावहारिक उदाहरणों और उद्योग-केंद्रित दृष्टिकोण ने प्रतिभागियों को बौद्धिक संपदा संरक्षण की गहरी समझ प्रदान की। कार्यक्रम का समापन एक इंटरैक्टिव प्रश्नोत्तर सत्र के साथ हुआ, जिसमें प्रतिभागियों ने पेटेंट पंजीकरण और नवाचारों के व्यावसायीकरण से संबंधित अपनी जिज्ञासाओं का समाधान किया। सभी पंजीकृत प्रतिभागियों को ई-प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। यह कार्यशाला अत्यंत ज्ञानवर्धक और उपयोगी सिद्ध हुई, जिसने प्रतिभागियों को अपने नवाचारों की सुरक्षा के प्रति प्रेरित किया तथा शोध एवं विकास के क्षेत्र में अधिक जागरूकता के साथ योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया।